



### RADISH- PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Radish seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Radish seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Radish seeds provide excellent germination & better vigour with tolerance to biotic & abiotic stresses.

Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Radish Hybrid	Himani, Swathi	Palak Patta	Pusa Chetki Long	Jodha (Palak Patta)													
Duration	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS													
Kharif																	
Rabi	Yes	Yes	Yes	Yes													
Spring	Early	Early	Early	Early													
Source of Irrigation	Ground	Ground	Ground	Ground	or conditio	no aron aro		humiter many	no differen								
S. No.	Particulars/	operations/P		ing to weath		operation.			be differen	τ							
									/ 1 1	\ · 1	1	<u> </u>					
1		or the area. A	gro climatic	zone	1 ^			r and grows		· -	eading to po	or root					
2	Land. Soil				Well drained sandy loams and alluvial soils. soil Ph 5.5 to 7.0 is ideal.												
3		ving/planting			throughou	t the year. l	n Southerr	i India, it ca	n be growr	ı in Apr-Jui	ne and Oct-l						
4	Seed rate. Se	owing/plantii	ng method.		400-500g in hybrids, 3.5 -4.5 kg / acre in varieties. Ridges and furrow method for planting												
4	Preparation	of Main field	and plantin	g	of fertilize seed Thinl	rs in furrow	rs cover the w ridges. In	fertilizer.	Irrigate the	field two d	lay prior to s	Apply basal dose sowing. Dibble rrigation for quick					
5	Spacing				Row to Row 30cm; Plant to plant:5-10 cm												
6	Seed treatm	ent before sov	ving		Seed treatment with captan 2 g/kg.												
7	Manures an	nd Fertilizers			ll .		-	5:25 Kg NP ter sowing:									
8	Irrigation so	chedule			Irrigate fie	ld dependii	ng on soil t	ype. Light a	nd frequen	t irrigation	once in 5-6	days interval.					
9	Weeding/ i	nter cultivatio	n		Two hand weeding is required. Keep plots free of weed. Thin out plant to maintain plant to plant 8-10cm spacing												
10	Micronutrie	ent/growth re	gulator spra	ys	Multiplex	-Spray if m	icro nutrie	nt deficienc	y is noticed	1							
11	Pest and Di	sease control			Leaf spot: Metiram 70%WG (4 gm per litre) White rust: Metiram 70%WG (4 gm per litre) Downy mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per litre) or Chlorothalonil 75% WP 1.0 ml/Liter Flee beetle: Chlorpyriphos 1g/litre Thrips / Aphids: Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre) or Flubendiamide 8.33 % + Deltame 5.56 % w/w SC (0.5 ml/liter) Mites: Spiromesifen 22.90 % SC (1.3 ml/litre) For more information to control & disease in field, please consult your local agriculture of												
12	Harvest				Up root th	e plant alor	g with roo	ts and sepa	rate roots.								
13	Expected y	ield			An averag	e yield is 6-	10 t roots, ι	under ideal	conditions.								
14	Storage																
15	Don't Do																
Note	Do's The above is Department		a general ac	visory. For s	pecific reco	mmendatio	ns related	to particula	r region, p	lease conta	ct your loca	l State Agriculture					
Precautions	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensu that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.											for advice. Ensure					





सूली की खेती के तरीके
वधाई हो। आपने क्रिस्टल परिवार की सूली की बेहतरीन किस्म के बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टल कंपनी को उच्च कोटि के मूली के बीजों के उत्पादन का समृद्ध अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती हैं, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल के मूनी के बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पौध वृद्धि और रोग तथा पर्यावरणीय तनावों के प्रति अच्छी सहनशीलता होती है। बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं. इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

हाइब्रिड मुली	हिमानी, हाइब्रिड.		पुसा चेतकी लॉन्ग	हाइब्रिड. जोधा (पालक														
हाइ।ब्रड मूला	हिमानी, स्वाति	पालक पत्ता	पूसा चतका लान्ग	पत्ता)														
अवधि	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS						<b></b>								
खरीफ रबी	ਵੀਂ	ਭਾ	ਵੀਂ	<i>ਜੱ</i>		<b></b>				<b></b>	<b></b>							
वसंत	हाँ शुरूआती	हाँ शुरुआती	हाँ शुरुआती	हाँ शुरूआती						<del> </del>	<b></b>							
सिंचाई का स्रोत	जमीन	जमीन	जमीन	जमीन														
•	<b>.</b>	^		कृपया ध्यान रखें कि					होने कासम	य अलग-अल	गहो सकताहै							
<b>क्रम सं.</b>	विवरण/ संचालन/त		_				ति एकड लाग					के कारण जड़ का विक		<u> </u>				
	क्षत्र के लिए उपयुक्त	ता। कृषि-जलवायु क्षेत्र	1				पसद करता ह, लेए आदर्श ताप			गबनन का प्राः	क्रया)आ जान व	क कारण जड़का।वक	।स ठाक स नहा	हा पाता। ठड क म	।सम्म इसम् अच्छ।			
2	भूमि। मिट्टी				अच्छी तरह प	गानी निकलने व	वाली रेतीली द	ोमट और जलो	ढ़ मिट्टी मूली वे	के लिए अनुकूल	होता है और इ	इसके लिए pH 5.5–7	′.0 सबसे बेहतर	माना जाता है।				
3	मौसम। बुवाई/रोपाई	ई का समय					बुवाई के लिए l ार–दिसंबर के व			। उपयुक्त है।	ठंडे जलवायु वा	ाले पहाड़ी क्षेत्रों में मूल	नी पूरे वर्ष उगाई	जा सकती है। दक्षि	तेण भारत में मूली की			
4	बीज दर। बुवाई/रोप	ाई का तरीका।			हाइब्रिड किरु	मों के लिए 40	0–500 ग्राम	और अन्य कि	मों के लिए 3.	.5–4.5 किग्र	⊺/एकड़। पौधों ः	की बुवाई के लिए क्या	ारी और नाली क	ा तरीका अपनाएँ				
	मुख्य खेत की तैयारी				हाइब्रिड किस्मों के लिए 400–500 ग्राम और अन्य किस्मों के लिए 3.5–4.5 किग्रा/एकड़ा पौघों की बुवाई के लिए क्यारी और नाली का तरीका अपनाएँ गोबर की 10 टन सड़ी हुई खाद डालें और जुताई करें, ताकि यह मिट्टी में मिल जाए। नालियों में बेसल खुराक के रूप में उर्वरक डालकर ढक दें। युआई से दो दिन पहले खेत की मिंचाई करें। नालियों में कम बीज बोना चाहिए। बेसिन तरीके से बीज बोते समय जल्दी और अच्छी तरह अंक्रित होने के लिए हल्की सिंचाई करें।													
					सिंचाई करें। ग	नालियों में कम	वीज बोनाच	हिए। बेसिन	तरीके से बीज	बोते समय जल	दी और अच्छी	तरह अकुरित होने के	लिए हल्की सिंच	ाई करे।				
5	पौधों के बीच दूरी				पंक्तियों के बी	च की दूरी: 30	) cm, पौधों	के बीच की दूर्र	ो: 5–10 cm	n								
6	बुआई से पहले बीज	उपचार			बीजों को कैप्टन 2 ग्रा./किग्रा के अनुपात में उपचारित करें।													
7	जैविक और रासायनि	नेक उर्वरक			* बुबाई के पहले बेसल खुराक: 20:25:25   किग्रा NPK * बुबाई के 20-25 दिन बाद पहली टॉप ड्रेसिंग: 25   किग्रा नाइट्रोजन													
8	सिंचाई कार्यक्रम				मिट्टी की स्थि	ति के हिसाब र	से सिंचाई करें।	5–6 दिन के अ	ांतराल में हर्ल्ब	ो और नियमित	त सिंचाई करें।							
9	गुड़ाई और खेत की ब	बीच-बीच में जुताई			दो बार हाथ	से खरपतवार ी	नेकालना जरू	तिहै। खेत में वि	केसी भी तरहः	का खरपतवार	न होने दें। पौध	धोंकेबीच8–10 से	मी की दूरी सुनि	श्चित करने के लिए	कुछ पौधों को उखाड़ दें			
10		कास नियामक का छि <u>ः</u>	डकाव				दिखाई पड़ने		ाका छिड़काव	करें।								
11	कीट-पत्तंग और रोग	नियंत्रण			व्हाइट रस्टः : डाउनी मिल्ङ फ्ली बीटल: १ ब्रिप्स / एफिः माइट्स: स्पाः खेत में रोग अ	मेटिराम 70% यू: टेबुकोनाजो क्लोपीयरिफ़ॉस इस : फ्लोनिका इरोमेसिफेन 22 ग्रैर कीट नियंत्र	ा 1 ग्राम/लीट मिड 50% W 2.90% SC ( ण के संबंध में	/लीटर) ,फ्लोक्सीस्ट्रोबि र G (0.5 ग्राम/ I.3 मिली/लीट अधिक जानका	त्रीटर) या फ्लुवे र)	वेंडियामाइड 8		लोरोबैलोनिल 75% मैत्रिन 5.56% w/w : í से सलाह लें।						
12	फसल काटना						और जड़ोंको ब											
13	अनुमानित उपज				यदि सभी स्थि	प्रतियाँ अनुकूल	रहती हैं तो मृ	लीकी औसत	उपज 6–10	टन होती है।								
14	भंडारण																	
15	क्यान करें		-								•	-	-	•				
16	क्या करें						0.6											
नोट	यह जानकारी सिर्फ़	सामान्य जानकारी के	लिए हैं। विशेष क्षेत्र	से जुड़ी अनुशंसाओं के	लिए कृपया अ	पर्नसर्वधित र	ाज्य कृषि विभ	ाग से संपर्कक	रा									
सावधानियाँ	फसल वृद्धि और उप खरीद के बिल अपने		त्वों का प्रभाव पड़ स	कता है। अतः सलाह है	कि सुझाव के	लिए अपने नज	नदीकी कृषि अ	धिकारी से परा	मर्श करें। यह ग	सुनिश्चित करें ी	के बेहतर गुणव	त्ता के उर्वरक और की	टनाशक ही इस्ते	माल हों। बीज, उर्व	रक और कीटनाशक की			





## मुळा - पीक व्ययस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील मुळ्याच्या सर्वोत्तम वियाण्यापैकी एक वियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे मुळ्याचे वियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे वियाणे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे वियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच वियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या मुळ्याच्या वियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात.

उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपया सर्वोत्तम शेती पद्धतींचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

मुळा हायब्रीड	हिमानी , हाइब्रिड . हिमानी , स्वाति	पालक पत्ता	पूसा चेतकी लॉन्ग	हाइब्रिड. जोघा (पालक पत्ता)													
कालावधी खरीप	45-55दिवसांनी	45-55दिवसांनी	45-55दिवसांनी	45-55दिवसांनी							I						
खराप रब्बी	होय	होय	होय	होय						<b></b>	<b></b>	<b></b>					
वसंत ऋतू	लवकर	लवकर	लवकर	लवकर							I						
सिंचनाचा स्रो	जमीन	जमीन	जमीन <b>क</b> र	जमीन <b>ग्या नोंद घ्या की</b> ,	हवामानाच	ग परिस्थित	ीनसार पि	 काची वाढ व	। शाणि परिपा	     हता वेगवेग	<u>।</u> ळीअसशक	<u>।</u> ते.					
अनु. क्र.	तपशील/कामका	ज/प्रत्यक्ष कृती	•				एकर उत्पाद										
1	क्षेत्रासाठी सुसंगत	ाता. कृषी हवामान	ा क्षेत्र -		मुळ्याला थ तापमानात		पोषक असते	, तर उष्णते	मध्ये बियाण	याचे अंकुरण	<sup>.</sup> आणि मुळां <sup>.</sup>	चा विकास बाधि	ात होऊ शकतं	गो. मुळ्याची वा	ढ 10 ते 24°C		
2	जमीन. माती				चांगला निचरा	होणारी वालुकाम	य चिकणमाती उ	गणि गाळयुक्त म	ाती. मातीचा सा	म् (pH) 5.5	ते 7.0 Ph अ	भादर्श असतो.					
3	हंगाम. पेरणी/ला				एप्रिल-जून	आणि ऑक्टो	बर-डिसेंबर	मध्ये त्याचे प	गिक घेता ये	ते.		गराळ भागात, म्	-		क्षिण भारतात,		
4	बियाणांचा दर पे	रणी/लागवडीची प	गद्धत		संकरित जा	तींमध्ये 400	)-500 ग्रॅम,	विविध जार्त	ॉमध्ये 3.5 -	4.5 किलो	/ एकर. लाग	विडीसाठी बांध	आणि सरी पर	द्वत			
4	मुख्य शेताची तय	ारी आणि लागवड										भूत डोस सरींमध् : आणि चांगले अं			वस आधी शेताला द्या.		
5	अंतर				प्रत्येक वाफ	ग्रामध्ये 30 र	प्तेमी; प्रत्येक	रोपांमध्ये: {	5-10 सेमी								
6	पेरणीपूर्वी बियाण	गांवर प्रक्रिया			कॅप्टन 2 ग्रॅ	म/किलो या	प्रमाणात बि	याण्यांवर प्र	क्रेया करते.								
7	सेंद्रिय पदार्थ आि	णे खते			* पेरणीपूर्वी मूलभूत डोस: 20:25:25 किलो एनपीके * पेरणीनंतर 20-25 दिवसांनी पहिले टॉप ड्रेसिंग: 25 किलो नत्र												
8	पेरणीपूर्वी बियाणे	ो प्रक्रिया			मातीच्या प्रकारानुसार शेताला पाणी द्या. 5-6 दिवसांच्या अंतराने एकदा थोडेथोडे आणि वारंवार पाणी द्या.												
9	खुरपणी/ आंतरम	शागत			दोन हातांर्न	ो खुरपणी क	रणे आवश्य	क आहे. शेत	तणमुक्त ठेव	ा. प्रत्येक रो	पांमध्ये 8-1	0 सेमी अंतर ठेव	π.				
10	सूक्ष्म पोषक घटव	ь/वाढ नियामक फ	वारण्या		सूक्ष्म पोष	क तत्वांची <i>व</i>	मतरता आ	ढळल्यास मल	टीप्लेक्समध्	ये फवारणी	करा.						
11	कीटक आणि रोग	नियंत्रण			पांढरा तांबे केवडा बुरश् पिसू बीटल फुलकिडा/म धुळीतील सृ	रा: मेटिराम ो: टेबुकोनाइ क्लोरपायर्र ावा: फ्लोनि क्ष्म कीटक:	70%WG झोल 50% - ोफॉस 1 ग्रॅम् कामिड 50 स्पायरोमेसि	ɪ/लिटर % WG (0. फेन 22.90	लिटर) गिस्ट्रोबिन 2 5 ग्रॅम/लिटर % SC (1.	र) किंवा फ्लु 3 मिली/लिट	बेन्डियामाइड :र)		टामेथ्रिन 5.5	6% भा/आ. SC	P 1.0 मिली/लिटर ( (0.5 मिली/लिटर)		
12	कापणी				रोपाला मुब	गंसह उपसून	ा वर काढा <u>३</u>	भाणि वेगळ्य	ा मुळांसहित	ा लावा.							
13	अपेक्षित उत्पन्न				आदर्श परि	स्थतीत सरा	सरी उत्पादन	न 6-10 टन	मिळते.								
14	साठवणूक																
15	करू नका																
16	करा		0)														
नोंद	वरील माहिती म	धून सामान्य सल्ले	'दिले आहेत. विशि	ष्ट प्रदेशाशी संबंधि	व्रेत विशिष्ट वि	शेफारसींसा	ठी कृपया तुः	मच्या स्थानि	क राज्य कृष	ो विभागार्श	ो संपर्क साध	π.					
घेण्याची काळजी		र आणि उत्पन्नावर . बियाणे, खते आ				मच्या स्थानि	क कृषी अधि	धेकाऱ्यांचा स	ाल्ला घेण्या	वी शिफारस	केली जाते. <sup>:</sup>	केवळ उच्च दर्जाच	नी खते आण <u>ि</u>	कीटकनाशके वा	परली जात आहेत		





### ಮೂಲಂಗಿ - ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳ ಪ್ಯಾಕೇಜ್

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದಿಂದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೂಲಂಗಿ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಆರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಮೂಲಂಗಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ದೃಢವಾದ ಅನುಭವವನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ನ ಮೂಲಂಗಿ ಬೀಜಗಳು ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳಿಗೆ ಸಹಿಷ್ಣುತೆಯೊಂದಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತನ್ಯವನ್ನು ಒದಗಿಸುತ್ತವೆ

ಅಶ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಮೂಲಂಗಿ	ಹಿಮಾನಿ, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಹಿಮಾನಿ, ಸ್ವಾತಿ	ಪಾಲಕ್ ಪತ್ತಾ	ಪೂಸಾ ಚೇತಕಿ ಲಾಂಗ್	ಹೈಬ್ರಿಡ್ . ಜೋಧಾ (ಪಾಲಕ್ ಪತ್ತಾ)					
ಅವಧಿ	45-55ದಿನಗಳು	45-55ದಿನಗಳು	45-55ದಿನಗಳು	45-55ದಿನಗಳು					
ಮುಂಗಾರು			<u> </u>			<b> </b>			
ಹಿಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು					
ವಸಂತ	ಆರಂಭಿಕ	ಆರಂಭಿಕ	ಆರಂಭಿಕ	ಆರಂಭಿಕ					
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ನೆಲ	ನೆಲ	ನೆಲ	ನೆಲ					

ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ: ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ವತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು

ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು /ಪದ್ಧತಿ	ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ. ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	ಮೂಲಂಗಿಗಳು ತಂಪಾದ ಹವಾಮಾನವನ್ನು ಆದ್ಯತೆ ನೀಡುತ್ತವೆ ಮತ್ತು ಬಿಸಿಯಲ್ಲಿ ಬೋಲ್ಟ್ (ಬೀಜಕ್ಕೆ ಹೋಗುವುದು) ಆಗಬಹುದು, ಇದು ಕಳಪೆ ಬೇರು ಬೆಳವಣಿಗೆಗೆ ಕಾರಣವಾಗುತ್ತದೆ. ತಂಪಾದ ಹವಾಮಾನವನ್ನು ಇಷ್ಟಪಡುತ್ತದೆ ಮತ್ತು 10-24º C ನಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತದೆ.
2	ಭೂಮಿ. ಮಣ್ಣು	ಉತ್ತಮ ನೀರು ಬಸಿದು ಹೋಗುವಂತಹ ಮರಳು ಮಿಶ್ರಿತ ಎರೆ ಮಣ್ಣು ಮತ್ತು ಮೆಕ್ಕಲು ಮಣ್ಣುಗಳು ಸೂಕ್ತ. ಮಣ್ಣಿನ pH 5.5 ರಿಂದ 7.0 ಆದರ್ಶವಾಗಿದೆ.
3	ಋತು. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ	ಸಮತಲ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್-ಮಾರ್ಚ್ ಆದರ್ಶ ಋತುವಾಗಿದೆ. ತಂಪಾದ ಹವಾಮಾನವಿರುವ ಗಿರಿಧಾಮ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ, ಮೂಲಂಗಿಯನ್ನು ವರ್ಷವಿಡೀ ಬೆಳೆಯಬಹುದು. ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದಲ್ಲಿ, ಇದನ್ನು ಏಪ್ರಿಲ್-ಜೂನ್ ಮತ್ತು ಅಕ್ಟೋಬರ್-ಡಿಸೆಂಬರ್ ನಲ್ಲಿ ಬೆಳೆಯಬಹುದು.
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ವಿಧಾನ.	ಪೈಬ್ರಿಡ್ ಪ್ರಭೇದಗಳಲ್ಲಿ 400-500 ಗ್ರಾಂ, ತಳಿಗಳಲ್ಲಿ 3.5-4.5 ಕೆ.ಜಿ/ಎಕರೆ. ಸಾಲುವೇಣಿ ಮತ್ತು ನಾಲೆ ಪದ್ಧತಿಯಲ್ಲಿ ನಾಟಿ ಮಾಡುವುದು
4	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	10 ಟನ್ ಕೊಟ್ಟಿಗೆ ಗೊಬ್ಬರ ಅನ್ನು ಹಾಕಿ ನಂತರ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಬೆರೆಸಲು ಹ್ಯಾರೋಯಿಂಗ್ ಮಾಡಿ ಗೊಬ್ಬರದ ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣವನ್ನು ಸಾಲುಗಳಲ್ಲಿ ಹಾಕಿ ಗೊಬ್ಬರವನ್ನು ಮುಚ್ಚಿ. ಬಿತ್ತನೆಗೆ ಎರಡು ದಿನಗಳ ಮೊದಲು ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಆಳವಿಲ್ಲದ ಸಾಲುವೇಣಿಗಳ ಮೇಲೆ ಬೀಜವನ್ನು ತೆಳ್ಳಗೆ ಊರುಗೋಲಿನಿಂದ ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಿ. ಬೇಸಿನ್ ಬಿತ್ತನೆ ವಿಧಾನದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ, ತ್ವರಿತ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆಗಾಗಿ ಹಗುರ ನೀರಾವರಿ ನೀಡಿ
5	ಅಂತರ	ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ 30 ಸೆಂ.ಮೀ; ಗಿಡದಿಂದ ಗಿಡಕ್ಕೆ: 5-10 ಸೆಂ.ಮೀ
6	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಕ್ಯಾಪ್ಟಾನ್ 2 ಗ್ರಾಂ/ಕೆ.ಜಿ ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ.
7	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು	ಬಿತ್ತನೆಗೆ ಮೊದಲು ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣ: 20:25:25 ಕೆ.ಜಿ NPK ಮೊದಲ ಮೇಲ್ಗೊಬ್ಬರ ಬಿತ್ತನೆಯ ನಂತರ 20-25 ದಿನಗಳು: 25 ಕೆ.ಜಿ N
8	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಮಣ್ಣಿನ ಪ್ರಕಾರವನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಲಘು ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ನೀರಾವರಿ 5-6 ದಿನಗಳ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಒಮ್ಮೆ.
9	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು/ ಅಂತರ ಬೇಸಾಯ	ಎರಡು ಬಾರಿ ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಹೊಲಗಳನ್ನು ಕಳೆ ರಹಿತವಾಗಿರಿಸಿ. ಗಿಡದಿಂದ ಗಿಡಕ್ಕೆ 8-10 ಸೆಂ.ಮೀ ಅಂತರವನ್ನು ನಿರ್ವಹಿಸಲು ಗಿಡಗಳನ್ನು ತೆಳುಗೊಳಿಸಿ
10	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	ಮಲ್ಟಿಪ್ಲೆಕ್ಸ್-ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳ ಕೊರತೆ ಗಮನಿಸಿದರೆ ಸಿಂಪಡಿಸಿ
11	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಎಲೆ ಕಲೆ: ಮೆಟಿರಾಮ್ 70% WG (4 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಬಿಳಿ ತುಕ್ಕು: ಮೆಟಿರಾಮ್ 70% WG (4 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಡೌನಿ ಶಿಲೀಂದ್ರ ರೋಗ: ಟೆಬುಕೊನಾಝೋಲ್ 50% + ಟ್ರೈಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಕ್ಲೋರೋಥಾಲೋನಿಲ್ 75% WP 1.0 ಎ.ಲಿ/ಲೀಟರ್ ಫ್ಲಿಪ್ ಜೀರುಂಡೆ: ಕ್ಲೋರ್ಪೈರಿಫಾಸ್ 1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್ ಫ್ಲಿಪ್ಸ್/ಎಲೆ ತಿಗಣೆ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ಫ್ಲೋನಿಕಾಮಿಡ್ 50% WG(0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಫ್ಲಬೆಂಡಿಯಾಮೈಡ್ 8.33%+ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥ್ರಿನ್ 5.56% w/w SC(0.5 ಮಿ.ಲೀ./ಲೀಟರ್) ಬಳಸಿ ಹುಳಗಳು: ಸ್ಪೈರೋಮಿಸಿಫೆನ್ 22.90% SC (1.3 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್) ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಕುರಿತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.
12	ಕೊಯ್ಲು	ಬೇರುಗಳೊಂದಿಗೆ ಗಿಡವನ್ನು ಕಿತ್ತು ಬೇರುಗಳನ್ನು ಬೇರ್ಪಡಿಸಿ.
13	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ	ಸೂಕ್ತವಾದ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ ಸರಾಸರಿ ಇಳುವರಿ 6-10 ಟನ್ ಬೇರುಗಳು
14	ಶೇಖರಣೆ	
15	ಮಾಡಬೇಡಿ	
16	ಮಾಡಬೇಕಾದವು	
ಪ ಎಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ	ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಷಾರಸು ಗಳಿಗಾಗಿ ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ವಲೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಲೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ

ಮೀರಣ ಮೇವಶಮು ಸಂಮಣ್ಣ ಸರಮಾನಿಗಿದೆ. ನರ್ವಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸರಾವಭಿಸು ವರೇಷ ರಫಾರಸ್ಕು/1916rt, ಮುಖಮಟ್ಟ ನಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರೇವು ಕೃಷಿ ಇರುಮುನ್ನು ಸುಪರ್ಕ

ಸೆ<mark>ಪ್ರರಿಕೆಗಳು</mark> ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ, ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.





ముల్లంగిలో-పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి శుభాకాంక్షలు! [క్రిస్టల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన ముల్లంగి విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన ముల్లంగి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిస్టల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉర్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిస్టల్ అత్యాధునిక టెక్నాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిస్టల్ ముల్లంగి విత్తనాలు బయోటిక్ ఓ ఏబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్వాలను ఓ మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి.

అద్పుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాయించండి. క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్యబడ్డాయి, కాబట్టి

	హిమనీ <i>,</i> స్వాతి	పాలక్ పత్తా	పూసా చేతికి లాంగ్	జోధా (పాలక్ పత్తా)												
కాలము పరిమితి	45-55 DAS	45-55 DAS	45-55 DAS	45-55 DAS												
ఖరీఫ్ రబీ	అవును	అవును	అవును	అవును												
నసంత కాలము ఏటి	తొందరగా	తొందరగా	తొందరగా	తొందరగా												
సారుదల సనరు	గ్రౌండ్	เగౌండ్	టెంగ్స్	เగౌండ్												
	దయచ	సి గమనిం	చండి వాణ	కావరణ ప	రిస్థితుల ఆ	ధారముగా	పంట ఎడ	ుగుదల &	పక్వము క	ాలము మ	ారవచ్చు					
క్ర. సం.	వివరాలు/	ఆపరేషన్లు	/ఆచరణల	v	ఆపరేషన్	వివరాలు.	ಎಕರಾನಿಕೆ ಇ	ఇన్పుట్								
1	ప్రాంతము వాతావరణ	యొక్క అస జోన్	పకూలత. స	గ్యవసాయ	వెళ్ళండి), వాతావరణ	ఇది నాశిరక ము ఇష్టము	ముగా వేరు మరియు 1	లు ఎదగడా .0-24 <sup>0</sup> C వర్డ	ానికి దారి తీ స్ట్రబాగా పెర	స్తుంది. దీశ గుతుంది.						
2	భూమి. మం	-			బాగా నీరు ఇంకే ఇసుక లోమ్స్ మరియు ఒండ్రు మట్టి నెలలు. మట్టి Ph 5.5 నుంచి 7.0 అనుకూలము.											
3		త్తే/నాటే స			పెల్లప్ప [పాంతాల్లో సెఫ్టెంబర్-మార్చి సరైన సీజన్. కొండ [పాంతాల్లోని చల్లని వాతావరణములో, మల్లంగిని సంవత్సరము అంతటా పెంచవచ్చు. దక్షిణ భారతదేశములో, దీనిని ఏప్రిల్-జూన్ మరియు అక్టోబర్-డిసెంబర్ లో పెంచవచ్చు.											
4		రేట్. విత్తే/న			హైబ్రిడ్లిలో 400-500 గ్రాములు, వంగడాలలో 3.5 -4.5 కిలోలు/ఎకరానికి. నాటడానికి గట్లు మరియు చాళ్ళు పద్ధతి డికంపోజ్ చేసిన ఎప్పైవెం 10 టన్నులు అప్లే చేయండి తరవాత దుక్కి దున్నడము వల్క											
4	ప్రధానమై, మరియు న	న పొలముని ూటడము	) <b>తయా</b> రు τ	മയരണ	అది మట్టిం ఫర్టిలైజరు తక్కువ ఎ	రో బాగా కల ని కవర్ చేం త్తు వున్న గ బేసిన్ పద్ధ	ుస్తుంది. బేస మండి. నాట ట్ల మీద విత్త	సల్ డోస్ ఫ్ ుడానికి రెం ఫనాలను రం	ర్టిలైజర్లను <sub>క</sub> డు రోజుల ఎ ంద్రము చేశీ	వాళ్ళలో అ యుందు పొం పలుచగా	ుక్క దున్నద ప్లై చేయండి లముకి నీరు నాటండి. 2 కేత్తడము కోస	మరియు పెట్టండి. ఒకవేళ				
5	ఖాళీ ఇవ్వ	డము			రో నుంచి ర	ో 30cm; మె	ుక్క నుంచి	మొక్క: 5-1	0 cm							
6	విత్తే ముం	మ విత్తనమ	ుని శుధ్ధి చేం	యడము				లో తో శుధ్ధి శ								
7	ఎరువులు	మరియు ఫ	වූලසරා		*విత్తిన తర	పాత 20-25	రోజులకి మె	.5 కిలో NPK బదటి టాప్	ಡಿಸ್ಸಿಂಗ್:							
8	నీటి పారు	వల పెడ్యూ	ల్		మెట్టి రకముని బట్టి పొలముకి నీటిని పెట్టండి. 5-6 రోజుల వ్యవధిలో తెలికగా మరియు తరచూ నీరు పెట్టండి.											
9	కలుపు మో కల్టివేషన్	క్కలు తీయ	ుడము/అం	తర్గత	చేతితో కలుపు మొక్కలను రెండు దఫాలుగా తొలగించాలి. ప్లాట్లను కలుపు మొక్కలు లేకుండా పుంచండి. మొక్క నుంచి మొక్కకి 8-10cm ఖాళీ మెయింటేన్ చేయడానికి మొక్క ఆకులను కత్తిరించండి											
10	సూక్ష్మపోప	.కము/ఎదు	గుదల రెగు	్యలేటర్	ఒకవేళ సు	rక్ష్మపోషకాం	ు లోపము గ	గమని స్తే మ	ల్టీ ప్లెక్స్-[సే	్న ఉపయోగ	గెంచండి					
11	<u> 58 33 80</u>	యు తెగులు	కంటోల్		ఒకవేళ సూక్ష్మ్మికోషకాల లోపము గమనీస్తే మల్టీ ప్లేక్స్-[స్పె ఉపయోగించండి ఆకు మచ్చ తెగులు: మెట్రిరామ్ 70%WG (4 [గ్రాములు లీటరుకి) తెల్లటి తుప్పు తెగులు: మెట్రిరామ్ 70%WG (4 [గ్రాములు లీటరుకి) డౌనీ బూజు తెగులు: పెబుకునజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్స్పిస్టోలిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి [గ్రాములు) లేదా క్లోరోథాలోనిల్ 75% WP 1.0 ml/లీటరు పేడ పురుగు (ఫ్లీ బీటిల్): క్లోరోపైరిఫాస్ 1 [గ్రాము/లీటరు తామర పురుగులు/పేను బంక: ఫ్లోనికామిడ్ 50 % WG (లీటరు/0.5 [గ్రాములు) లేదా ఫ్లూబెఫ్టియామైడ్ 8.33 % + డెల్గామెథ్రిన్ 5.56 % w/w SC (లీటరు/0.5 ml) నల్లీ (మైట్స్): స్పిరోమెస్టిన్ 22.90 % SC (1.3 ml/లీటరు)											
- 10	106 V				పొలములో తెగులు & చీడల కంట్రోలు మీద అదనపు సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ స్థానిక వ్యవసాయ ఆఫీసర్లను సంప్రపదించండి. మొక్కని వేళ్ళతో సహా పీకండి మరియు వేళ్ళు వేరు చేయండి.											
12	కోత ఆశించే ది	X1218			<u> </u>			ටගා	•		A					
13	జ్ఞించి ద స్టోర్ చేయ				<u> </u>	<u> </u>	nicu Wins	ათ 0-10 თი	<u>ಬ್ನಲ ಏಳು</u>	್  ಎಂದುಂ	ω.					
15	చేయకూడ															
16	చేయవలసినవి															
గమనిక	పైన చెప్ప దయచేసి	బడిన సమా మీ రా[ష్ట స్థా	<sup>-</sup> నిక వ్యవసా	· ಯ ಕಾಖನು	సంప్రదిం	వండి.		·		<i></i>	చనల కొరక					
జాగ్రత్త లు	కొరకు సం	(పదించాల	ని సూచించ	డము జరిగి	ంది. కేవలస	యు అధిక-న	rකූඡ	గిన ఫర్టిలైజు	ర్లు మరియు	ీకీట్కనాశన	స్ అధికారిని మలు మాత్ర ఎద్ద వుంచ	మే				





### মূলা- চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উংকৃষ্ট মূলার বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের মূলা বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের মূলা বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।

অনুগ্রহ করে চমংকার ফলন পেতে সর্বোন্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ন।

হাইব্রিড মূলা	হিমানী, হাইব্রিড. হিমানী, স্ভাতি	পালক পন্তা	পূসা চেতকী লান্গ	হাইব্রিড. জোধা (পালক পত্তা)				
	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS				
খরিফ								
রবি	হ্যাঁ	হাাঁ	হ্যাঁ	হাাঁ				
বসন্ত	দ্রুত	দ্রুত	দ্রুত	দ্রুত				
সেচের উৎ	মাঠ	মাঠ	মাঠ	মাঠ				

অনুপ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পঞ্কতা আসার :  ক্রমিক নম্বর  বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি  এলাকার জন্য উপযুক্ততা। কৃষি জলবায়ু জোন  ত্ব জমি। মাটি  ভালোভাবে নিষ্কাশনযোগ্য বালিমিপ্রিত মাটি এবং নদীর তীরের উর্ব	যার ফলে মূলের উন্নয়ন ভালো হয় না। ঠান্ডা া বিকাশ পায়। র্বর মাটি। মাটির Ph 5.5 থেকে 7.0 আদর্শ।
নস্থর বিস্তারিক প্রমারেশন পদ্ধাত প্রাত একর হনপুটে অপারেশনের বিশ্ব   এলাকার জন্য উপযুক্ততা। কৃষি জলবায়ু জোন  থ জমি। মাটি ভালোভাবে নিষ্কাশনযোগ্য বালিমিশ্রিত মাটি এবং নদীর তীরের উর্ব	া বিকাশ পায়। ব্র্বর মাটি। মাটির Ph 5.5 থেকে 7.0 আদর্শ।
অবহাওয়া পছন্দ করে এবং 10-240 C তাপমাত্রায় সবচেয়ে ভালো     জমি। মাটি     ভালোভাবে নিষ্কাশনযোগ্য বালিমিশ্রিত মাটি এবং নদীর তীরের উর্ব  সমাজাল সেপ্টেম্বর খেকে মার্চ পর্যন্ত আর্চ্নের ছালে। ঠাল্য আরহাএয়	া বিকাশ পায়। ব্র্বর মাটি। মাটির Ph 5.5 থেকে 7.0 আদর্শ।
সমালল সোপন্টমর প্লোক মার্চ পর্যন্ত আর্দ্রর্থ খালে।   সালন আরহাত্ত্র	
সমতলে সেপ্টেম্বর থেকে মার্চ পর্যন্ত আদর্শ ঋতু। ঠান্ডা আবহাওয়	
3 খাতু। বপন/রোপণের সময় যায়। দক্ষিণ ভারতে, এটি এপ্রিল-জুন এবং অক্টোবর-ডিসেম্বর পর্যর	
4 বিজের হার। বপন/রোপণের পদ্ধতি। ব্যবহার <del>বিতের হার। বপন/রোপণের পদ্ধতি।</del>	<del>। व्यक्ता स्त्रामसम्बद्धाः स्त्रामसम्बद्धाः म्यू।। ज्</del> र
মাটিতে মেশানোর জন্য 10 টন পচা FYM প্রয়োগের পর হ্যারোয়িং 4 মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ সারটি ঢেকে দিন। বপনের দুই দিন আগে মাঠে সেচ দিন। উঁচু এব রোপণ করুন। বপনের বেসিন পদ্ধতিতে, দ্রুত এবং ভালো অঙ্কু	বং গভীর নয় এমন রিজে বীজ পাতলা করে
5 ফাঁক সারি থেকে সারি 30সেন্টিমিটার; উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ: 5-10 সেন্টি	মিটার
6 বপনের আগে বীজের পরিচর্যা বীজেকে ক্যাপটান 2 গ্রাম/কেজি দিয়ে প্রক্রিয়াজাত করুন।	
7 জৈব এবং রাসায়নিক সার * বপনের আগে বেসাল ডোজ: 20:25:25 কেজি NPK * বপনের 20-25 দিন পর প্রথম শীর্ষ ড্রেসিং: 25 কেজি N	
8 সেচের সময়সূচী মাটির ধরন অনুযায়ী ক্ষেতে সেচ করুন। প্রতি 5-6 দিনের ব্যবধানে	
9 আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা দুই হাত দিয়ে আগাছা নিবারণ করা প্রয়োজন। প্লটগুলি আগাছামূত্ত গাছ থেকে গাছের দূরত্ব বজায় রাখুন।	
10 ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান যদি মাইক্রোনিউট্রিয়েন্টে ঘাটতি লক্ষ্য করা যায় তাহলে মাল্টিপ্লেঞ্জ	ক্স ছিটান
পাতার দাগ: মেটিরাম 70%WG (4 গ্রাম প্রতি লিটার) সাদা মরিচা: মেটিরাম 70%WG (4 গ্রাম প্রতি লিটার) ডাউনি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফুক্সিস্ট্রোবিন 25% Wc ক্লোরোখালোনিল 75% WP 1.0 মিলিলিটার লিটার ফ্লি বিটল: ক্লোরপাইরিফস 1গ্রাম/লিটার ফ্লি বিটল: ক্লোরপাইরিফস 1গ্রাম/লিটার ফ্লিপ্স /এফিডস: ফ্লোনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটার) অথবা 5.56 % w/w SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) মাইটস: স্পাইরোমেসিফেন 22.90 % SC (1.3 মিলিলিটার/লিটার) ক্লেতের রোগ এবং কীট নিয়ন্ত্রণ সম্পর্কে আরও তথ্যের জন্য, অনু, সঙ্গে পরামর্শ করুন।	য় ফ্লুবেনডিয়ামাইড ৪.33 % + ডেল্টামেথ্রিন
12 ফসল কাটা গাছিটি মাটি সহ তুলে নিন এবং মূল আলাদা করুন।	
13 প্রত্যাশিত ফলন গড় ফলন 6-10 t মূল, আদর্শ অবস্থায়।	
14 সংরক্ষণ	
15 করবেন না	
16 করবেন	
দ্রষ্টব্য উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দ ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি	

করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।





### মূলা- অনুশীলনৰ পেকেট

অভিনন্দন। আপুনি ক্ৰিষ্টেল পৰিয়ালৰ শ্ৰেষ্ঠতম মূলাৰ বীজ এটা বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ মূলা বীজ উৎপাদনত ক্ৰিষ্টেলৰ যথেষ্ট অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্ৰিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্ৰিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্ৰিষ্টেলৰ মূলা বীজৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অংকুৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে। অনুগ্ৰহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত

লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

	হিমানী,												
হাইব্রিড মূলা	হাইব্রিড. হিমানী,	পালক পত্তা	পূসা চেতকী লান্গ	হাইব্রিড. জোধা (পালক পত্তা)									
সময়কাল	<mark>স্ভাতি</mark> 45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS									
থাৰিফ													
ৰবি 	হয়	হয়	হয়	হয়									
বসন্ত জলসিঞ্চনৰ উ	আগতীয়া ভুমি	আগতীয়া ভুমি	আগতীয়া ভুমি	আগতীয়া ভুমি									
3(-11-14-14-0-	- VIII	- VIA			<sub>।</sub> । তেৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ডিন্ন হ'ব পাৰে।								
ক্ৰমিক নম্বৰ	সবিশেষ/কার্য	<b>্য্য/অনুশীলন</b>			কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট								
1	অঞ্চলটোৰ বাৰে	ব উপযুক্ততা। বৃ	কৃষি জলবায়ু অং	‡¤ल	মূলাবোৰে শীতল বতৰ পছন্দ কৰে আৰু গৰমত বল্ট (বীজলৈ যাব) পাৰে, যাৰ ফলত শিপাৰ বিকাশ বেয়া হয়। শীতল বতৰ ভাল পায় আৰু 10-240 Cত বেছিকৈ বৃদ্ধি পায়।								
2	ভূমি মাটি				ভালদৰে পানী ওলাই যোৱা বালি মাটি আৰু জলজ মাটি। মাটি Ph 5.5ৰ পৰা 7.0 আদ <b>র্শ</b> ।								
3	ঋতু বীজ সিঁচাৰ	ৰ/পলোৱাৰ সময়	1		সমভূমি অঞ্চলত ছেপ্টেম্বৰ মাৰ্চ আদৰ্শ ঋতু। শীতল বতৰ থকা পাহাৰীয়া অঞ্চলত গোটেই বছৰটো মূলা খেতি কৰিব পাৰি। দক্ষিণ ভাৰতত এপ্ৰিল-জুন আৰু অক্টোবৰ-ডিচেম্বৰ মাহত ইয়াৰ খেতি কৰিব পাৰি।								
4	বীজৰ হাৰ। বীং	জ সিঁচা/পলোৱা '	পদ্ধতি		হাইব্ৰিডত 400-500গ্ৰাম, জাতত 3.5 -4.5 কেজি/বিঘা। ৰোপণৰ বাবে ৰিজ আৰু ফাৰ' পদ্ধতি								
4	মূল পথাৰৰ প্ৰং	ষ্কৃতি আৰু ৰোপণ	7		10 টন বিঘ্নিত FYM প্ৰয়োগ কৰক তাৰ পিছত মাৰ্টিত মিশ্ৰিত কৰিবলৈ হৰভিং কৰক। সাৰ ঢাকিব পৰা খাদত সা ভিন্তি মাত্ৰা প্ৰয়োগ কৰিব লাগে। বীজ সিঁচাৰ দুদিন আগতে পথাৰত জলসিঞ্চন কৰিব লাগে। ডিবল বীজ অগভীৰ শিখৰত পাতলকৈ। বেচিন পদ্ধতিৰে বীজ সিঁচাৰ ক্ষেত্ৰত দ্ৰুত আৰু উন্নত অংকুৰণৰ বাবে লঘু জলসিঞ্চন দিব লাগে								
5	ব্যৱধান				শাৰীৰ পৰা শাৰীলৈ 30ছেঃমিঃ.; গছৰ পৰা ৰোপণলৈ:5-10 ছেঃমিঃ								
6	বীজ সিঁচাৰ আ	গতে বীজৰ শো	ধনীকৰণ		বীজক কেপ্টান 2 গ্ৰাম/কেজিৰ দ্বাৰা শোধন কৰা হয়।								
7	সাৰ আৰু সাৰু	ৱা পদাৰ্থ			* বীজ ৰ্সিচাৰ আগতে মূল মাত্ৰা : 20:25:25 কেজি NPK * বীজ ৰ্সিচাৰ 20-25 দিনৰ পিছত প্ৰথম শীৰ্ষ ড্ৰেছিং:25 কেজি N								
8	জলসিঞ্চনৰ সা	ময়সূচী			মাৰ্টিৰ প্ৰকাৰৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। 5-6দিনৰ অন্তৰালত এবাৰ হালধীয়া আৰু সঘনা জলসিঞ্চন কৰিব লাগে।								
9	অপতৃণ/ আন্তঃ	ংখেতি			দুখন হাতৰ গছ কাটিব লাগে। খেতিপথাৰবোৰ ঘাঁহবিহীন কৰি ৰাখক। গছজোপালৈ ছেঃমিঃৰ ব্যৱধান ৰক্ষা কৰিবলৈ গছজোপা পাতল কৰি লওক								
10	ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি/বৃদ্ধি ।	নিয়ন্ত্রক স্প্রে			মাইক্ৰ: নিউট্ৰিয়েণ্টৰ অভাৱ লক্ষ্য কৰিলে মাল্টিপ্লেক্স-স্প্ৰে কৰিব লাগে								
11	কীট-পতংগ অ	াৰু ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ	ſ		পাতৰ দাগ: মেটিৰাম 70%WG (প্ৰতি লিটাৰত 4 গ্ৰাম) * বীজ পিঁচাৰ 20-25 দিনৰ পিছত প্ৰথম শীৰ্ষ ড্ৰেছিং:25 কিলোগ্ৰাম N ডাউনি মিল্ডু : টেবুক নাজ'ল 50% + ট্ৰাইফ্লিক্সিব্ৰীবন 25% WG (প্ৰতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) বা ক্ল'ৰ খেল'নিল 75% WP 1.0 মিলিলিটাৰ/লিটাৰ মাখি ভেকুলী : ক্ল'ৰপাইৰিফছ 1/লিটাৰ থ্ৰিপছ/এফিডছ: ফ্লোনিকামাইড 50% WG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) বা ফ্লুবেগুাইডামাইড 8.33% + ডেল্টামেথ্ৰিন 5.56% w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) মাইট: "পাইৰ'মেটিফেন 22.90 % SC (1.3 মিলি/লিটাৰ) পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।								
12	শস্য চপোৱা				শিপা আৰু পৃথক শিপাৰ লগতে গছজোপাৰ ওপৰৰ শিপা।								
13	প্রত্যাশিত উংপ	<b>শাদন</b>			গড় উৎপাদন 6-10 টন শিপা হয়, আদৰ্শ পৰিস্থিতিত।								
14	সংৰক্ষণ												
15	নকৰিবা												
16	কৰিবা												
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূ যোগাযোগ কৰ		মৰ্শৰ বাবেহে দিয়	া হৈছে। বিশেষ অ	ঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে								
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আ মানৰ সাৰ আৰ	ৰু উংপাদন বিভি ফ কীটনাশক ব্যৱ	ন্ধ কাৰকৰ দ্বাৰা ৱহাৰ কৰা হয়। ই	প্ৰভাৱিত হ'ব পাৰে গ্ৰাজ, সাৰ আৰু কী	ৰ। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্ টনাশক ঔষধ ক্ৰয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।								





ଅଭିନନ୍ଦନ! ଆପଣ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ ପରିବାରର ସବୁଠାରୁ ଭଲ ମୂଳା ମଞ୍ଜି ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି। ଉଚ୍ଚମାନର ମୂଳା ମଞ୍ଜି ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ କ୍ରିଷ୍ମାଲର ଦୃଢ଼ ଅଭିଞ୍ଚତା ରହିଛି। ଏହି ବିହନସୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଷଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜଳବାୟୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଉଚ୍ଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଇଚ୍ରିଡ୍ ଫସଲ ବିକଶିତ କରିବା ଅଟେ। ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଗୁଣବଭାର ବିହନ ପାଇବା ନିଷ୍ଟିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ଚୃତନତମ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବ୍ୟା ଗ୍ରହଣ କରେ। କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ମୂଳା ମଞ୍ଜି ଜୈବ ଏବଂ ଅଜୈବିକ ତାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅଙ୍କୁରୋଦଗମ ଏବଂ ଉତ୍କତ ଶହ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରିଥାଏ। ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅମଳ ପାଇବା ପାଇଁ ଦୟାକରି ସର୍ବୋଶମ ବୃଷ୍ଟି ପବତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ । ନିସ୍ମଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ମଭି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକୁ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

ମୂଳା ହାଇବ୍ରିଡ୍	ହିମାନି, Hyb. ହିମାନି, ସ୍ୱାଥ୍	ପାଲକ ପଟା	ପୁସା ଚେଟକି ଲଙ୍ଗ୍	Hyb. ଯୋଧା (ପାଲକ ପଟା)				
ଅବଧି ଖରିଫ	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS				
ରବି	ହ	ହ	ହ	ହ	 	 	 	
ବସନ୍ତ	ପ୍ରାରୟରେ	ପ୍ରାରୟରେ	ପ୍ରାରୟରେ	ପ୍ରାରୟରେ				
ଜଳସେଚନର ଉତ୍ସ	ଭୂମି	ଭୂମି	ଭୂମି	ଭୂମି				

ଳସେଚନର ଉସ		ଭୂମି											
କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୁଟ୍											
मि.धाम. ह्य. श्रामा	व व चलता / कास्य । / टाखराय	काराना ववलता। युष पकल क्षप्त यूष्											
1	ଅଞ୍ଚଳ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ। କୃଷି ଜଳବାୟୁ ଅଞ୍ଚଳ	ମୂଳା ଥଣ୍ଡା ପାଗକୁ ପସନ୍ଦ କରେ ଏବଂ ଗରମରେ ଶୀଘ୍ର ଫୁଲ ଆସିଯାଏ (ବୀଜକୁ ଯାଇପାରେ), ଯାହାର ଫଳରେ ମୂଳର ବିକାଶ ଠିକ୍ ଭାବରେ ହୁଏ ନାହିଁ । ଏହା ଥଣ୍ଡା ପାଗରେ ଭଲ ବୃଦ୍ଧି କମ୍ପେ ଏବଂ 10-24° C ତାପମାନରେ ଭଲ ବଢିଥାଏ।											
2	ଭୂମି/ମାଟି	ଭଲ ଭାବେ ଜଳ ନିଷାସନ ହେଉଥିବା ବାଲୁକାମୟ ଦୋଆଁଶ ଏବଂ ପଲଳ ମୃଭିକା ଅଟେ। ମୃଭି ପାଇଁ ପିଏଚ୍ 5.5 ରୁ 7.0 ଉପଯୁକ୍ତ ଅଟେ।											
3	ବୁଶିବା ରତୁ/ରୋପଣ ସମୟ	ସମତଳ ଅଞ୍ଚଳରେ ସେପ୍ଟେମ୍ବର-ମାର୍ଚ୍ଚ ହେଉଛି ଆଦର୍ଶ ଋତୁ ।  ଅଣ୍ଟା ପାଗ ଥିବା ପାହାଡ଼ିଆ ଅଞ୍ଚଳରେ, ମୂଳା ବର୍ଷସାରା ଚାଷ କରାଯାଇପାରିବ ।  ବକ୍ଷିଣ ଭାରତରେ ଏହା ଏପ୍ରିଲ-ଜୁନ ଏବଂ ଅକ୍ଟୋବର-ଡିସେମ୍ବର ମାସରେ ଚାଷ କରାଯାଇପାରିବ ।											
4	ବିହନ ହାର ବୁଣିବା/ରୋପଣ ପଦ୍ଧତି	ହାଇକ୍ରିତ୍ ପାଇଁ 400–500 ଗ୍ରାମ ଏବଂ ଅନ୍ୟ କିସମ ପାଇଁ 3.5–4.5 କିଲୋଗ୍ରାମ ପ୍ରତି ଏକର ଆବଶ୍ୟକ ହୋଇଥାଏ। ରୋପଣ ପାଇଁ ଉଚ୍ଚ ଧାଡ଼ି ଓ ନଳି ପଦ୍ଧତି											
4	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରୟୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	୧୦ ଟନ୍ ପତିଯାଇଥିବା ଏଫ. ୱାଇ. ଏମ (FYM) ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ତା'ପରେ ମାଟିରେ ମିଶ୍ରଶ ପାଇଁ ହାରୋଇଂ କରନ୍ତୁ। କ୍ଷୁରରେ ସାରର ମୂଳ ମାତ୍ରା ପ୍ରୋୟୋଗ କରି ସାରକୁ ଆଲ୍ଲାଦନ କରନ୍ତୁ। ବୁଣିବାର ଦୁଇ ଦିନ ପୂର୍ବରୁ କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। ମଞ୍ଜିକୁ କମ ଉଚ୍ଚତାରେ ପତଳାଭାଟେ ଗାଡ଼ କରି ଲଗାଇବା। ଗଡ଼ିଆ ପଙ୍କରିରେ ବୁଣିବା କ୍ଷେତ୍ରରେ, ଶୀଘ୍ର ଏବଂ ଉଉମ ଅଙ୍କୁରୋଦଗମ ପାଇଁ ହାଲୁକା ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ।											
5	ବ୍ୟବଧାନ	ଧାଡ଼ି ରୁ ଧାଡ଼ି 30 ସେ.ମି; ଗଛ ଲଗାଇବା ପାଇଁ: 5-10 ସେ.ମି											
6	ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର	କ୍ୟାପଟନ 2 ଗ୍ରାମ/କିଲୋଗ୍ରାମ ସହିତ ବୀଜ ଚିକିତ୍ସ।											
7	ଖତ ଏବଂ ସାର	* ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବାସାଲ୍ ମାତ୍ରା 20:25:25 କିଗ୍ରା NPK * ବୁଣିବା ପରେ 20-25 ଦିନ ପରେ ପ୍ରଥମ ଟପ୍ ତ୍ରେସିଂ: 25 କେଜି [ନାଇଟ୍ରୋଜେନ (N)]											
8	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂତୀ	ମାଟିର ପ୍ରକାର ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରତୁ । ହାଲୁକା ଏବଂ ବାରମ୍ଭାର ଜଳସେଚନ 5-6 ଦିନ ବ୍ୟବଧାନରେ ଥରେ କରାଯାଏ ।											
9	ଘାସ ବାଛିବା/ଅନ୍ତଃଚାଷ	୨ ଥର ଜମିରୁ ହାତରେ ଘାସ କାଡ଼ୁନ୍ତୁ । ଜମିକୁ ଘାସ ମୁକ୍ତ ରଖନ୍ତୁ । ୫-10 ସେ. ମି. ବ୍ୟବଧାନରେ ଗଛ ଲଗାଇବା ପାଇଁ ଗଛକୁ ପତଳା କରନ୍ତୁ											
10	ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍,/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ	ମଲ୍ଟିସ୍ଲେକ୍ସ-ସ୍ତେ ଯଦି ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱର ଅଭାବ ପରିଲକ୍ଷିତ ହୁଏ											
11	ବୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟକ୍ତଣ	ପତ୍ର ଦାଗ : ମେଟିରାମ୍ 70% WG (ଲିଟର ପିଛା 4 ଗ୍ରାମ) ଧଳା ରଷ୍ଟ: ମେଟିରାମ୍ 70% WG (ଲିଟର ପିଛା 4 ଗ୍ରାମ) ଡାଉନି ମାଇଲଡ୍ୟୁ : ଦିନୁକୋନାଜୋଲ 50% + ଟ୍ରାଇଫ୍ଲୋଡ୍ଲିପ୍ଟୋବିନ 25% WG (ଲିଟର ପିଛା 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) ନିସା କ୍ଲୋରୋଥାଲୋନିଲ 75% WP 1.0 ମିଲି/ଲିଟର ଫ୍ଲିଟିନେ: କ୍ଲୋରପିରିଫସ୍ 1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର ଥିମ୍ମ / ଏଫଙ୍କ, ଫ୍ଲୋନିକାମିଡ୍ ୫୦% ଡବ୍ଲୁୟଜି (WG) (୦.୫ ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) କିମ୍ବା ଫ୍ଲୁଟେଣିଆମାଇଡ୍ ୮ ୩୩% + ଡେଲ୍ମମେଥିନ୍ ୫.୫୬% ଡବ୍ଲୁୟ/ଡବ୍ଲୁୟ (w/w) ଏସସି (SC) (୦.୫ ମିଲି/ଲିଟର) ମାଇଙ୍କ, ସାଇରୋମେସିଫେନ୍ ୨୨.୯୦% ଏସସି (SC) (୧.୩ ମିଲି/ଲିଟର)											
		ଆପଣଙ୍କର ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତୁ।											
12	ଅମଳ	ଗଛଗୁଡ଼ିକୁ ମୂଳ ସହିତ ଉପାଡ଼ନ୍ତୁ ଏବଂ ମୂଳଗୁଡ଼ିକୁ ଅଲଗା କରନ୍ତୁ।											
13	ଆଶାକରାଯାଇଥିବା ଲାଭ	ଆଦର୍ଶ ପରିୟୁତିରେ ହାରାହାରି ଉତ୍ପାଦନ 6-10 ଟନ୍ ମୂଳ ଅଟେ।											
14	ସଂରକ୍ଷଣ କରନ୍ତୁ ନାହି												
15	୩୪ରେ ଧାନ କରନ୍ତ												
16 ପୁଣୀ		॥ ଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ୟ୍ଲାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତ ।											
।ତର୍କତା	ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ହ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହେ	ି । ଆଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ୟାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁସାରିଶ ବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ରସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ											





முள்ளங்கி - யயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள் வாழ்த்துகள் கிரிஸ்டல் குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த முள்ளங்கி விதைகளில் ஒன்றைத் தேர்வு செய்துள்ளிகள். உயர் தர முள்ளங்கி விதைகள் தயாரிப்பில் கிரிஸ்டல் நிறுவனம் மிகச் சிறந்த அனுபவம் கொண்டது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாபக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகதல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவின தொழில்துட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் முள்ளங்கி விதைகள் உயிரி சார் 8 உயிரி சாரா தழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் 8 வலிமை கொண்டவை மிகச் சிறந்த மகதலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பிரித்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்குரம்.

இந்தப் பரிந்த	றிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.																
கலப்பு முள்ளங்கி	ஹிமானி, Hyb. ஹிமானி, சுவாதி	பாலக் பட்டா	பூசா சேட்கி லாங்	Hyb. ஜோதா பாலக் பட்டா)													
காலம்	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS				<b></b> _		<b> </b>	<b></b>	<b></b>					
காரீப் ராபி	au h	en i j	au h	auh				<b> </b>	<b> </b>	<b> </b>	<b></b>	<b> </b>					
றாபா வசந்த	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்				<b></b>	<b> </b>	<b> </b>	<b></b>	<b></b>					
காலம்	முன்கூட்டிய	முன்கூட்டிய	முன்கூட்டிய	முன்கூட்டிய													
பாசன										l	i						
ஆதாரம்	நிலம்	நிலம்	நிலம்	நிலம்													
	.0		லை சூழல்க	ளைப் பொறுத்								தில் கொ	ள்ளுங்கள்	ir			
வ.எண்.	வெவரங்கள் 7 (	செயல்பாடுகள்	/ செயமுறை							ன உர உள்							
1	பொருந்துகின்ற	பரப்பளவு விவ	பசாய காலநிலை	ல மண்டலம்										பூ வைக்கல எறாக வளர்		மோசமான	
2	நிலம். மண்				நீர் தேங்காத மணல் போன்ற பசளை மற்றும் வண்டல் மண். மண்ணின் pH 5.5-7.0 இருந்தால் நல்லது.												
3	பருவம். விதை	த்தல்/நாற்று ந(	வதற்கான நேர	тĎ	சமவெளிகளில் செப்டம்பர்-மார்ச் நல்ல பருவம் ஆகும்.   மலை பகுதிகளில் குளிர்ந்த வானிலையில், முள்ளங்கி வருடம் முழுவதும் வளர்க்கலாம். தென் இந்தியாவில், ஏப்ரல்-ஜூன் மற்றும் அக்டோபர்-டிசம்பரில் வளர்க்கலாம்.												
4	விதை விகிதம்	. விதைத்தல்/நா	ற்று நடும் முன	ന്ത്വ.		கலப்பு வகைகளில் 400-500 கிராம், வகைகளில் ஏக்கருக்கு 3.5 -4.5 கிலோ. நாற்றுகள் நடுவதற்கு மணல் மேடுகள் மற்றும் பள்ளங்கள் முறை											
4	பிரதான நிலம்	மற்றும் நாற்று	நடுவதற்கான த	தயாரிப்பு	உரங்களில் செய்யுங்க	10 டன்கள் சிதைந்த தொழு உரம் (FYM) உரத்தை போட்டு அவை மண்ணில் கலக்க நிலத்தை நன்றாக பண்படுத்துங்கள். பள்ளங்க உரங்களின் அடி அளவைப் போட்டு உரத்தை மூடி விடுங்கள். விதைப்பிற்கு இரண்டு நாட்களுக்கு முன் நிலத்தில் பாசனம் செய்யுங்கள். மேலோட்டமான மணல் மேடுகளில் விதையை லேசாக ஊன்றுங்கள். பேசின் முறையிலான விதைப்பில், விரைவான மற்றும் சிறப்பான முளைத்தலுக்கு லேசான பாசனம் செய்யுங்கள்											
5	இடைவெளி				வரிசை முதல் வரிசை வரை 30 செமீ; தாவரம் முதல் தாவரம் வரை: 5-10 செமீ												
6	விதைப்பதற்கு	முன்பான விரை	த தயாரிப்பு		கிலோவிற்கு 2 கிராம் என விதைகளை காப்டான் உடன் கலந்திடுங்கள்.												
7	எருக்கள் மற்று	ம் உரங்கள்								ா என்பிகே ìன்: 25 கிே							
8	பாசன அட்டவ	ணை			மண் வகையைப் பொறுத்து நிலத்தில் நீர் பாய்ச்சுங்கள். 5-6 நாட்களுக்கு ஒருமுறை லேசான மற்றும் அடிக்கடி பாசனம் செய்ய வேண்டும்.												
9	களை அகற்றுத	ல்/ ஊடு பயிரி(	<u>ந</u> தல்		இரண்டு கைகளால் களைகள் பறிக்கப்பட வேண்டும். நிலத்தில் களைகள் இல்லாமல் வைத்திடுங்கள். தாவரம் முதல் தாவரம் வரையிலான 8-10 செமீ இடைவெளியைப் பராமரிக்க தாவரத்தை கத்தரித்து விடுங்கள்												
10	நுண் ஊட்டச்சத	ந்து/வளர்ச்சியை	ஒழுங்குபடுத்த	<b>ு</b> ம் தெளிப்புகள்	நுண்ணூ	்டக் குரை	றபாடு தெ	ள்பட்டால்,	மல்ட்டிபிள	ாக்ஸ் (Multip	olex)-தெளிப்ப	பு அளிக்க	வேண்டும்				
11	பூச்சி மற்றும் (	நோய் கட்டுப்பா(	B		வெள்ளை சாம்பல் சே குளோரோ தத்தும் இ இலைப்டே 8.33 % + செ சிலந்திப்பே	துரு நோட நாய்: டெட தலோனில் லை வண்ட ன்கள் / டெ டல்டாமெ பன்: ஸ்டை	ப்: மெத்திர கோனசோ 0 75% டபில் டு: குளோர் சடிப்பேன்க த்ரின் 5.56 பரோமெசி.:	ம் (Metiram) ல் 50% + டி ாயுபி (WP) பைரிபாஸ் ள் : ∴ப்ளே % w/w எஸ் பென் 22.90	70% டபிள் .ரைபிளாக் லிட்டருக்கு லிட்டருக் எனிகாமிட் சி (SC) (லி " எஸ்சி (	த 1.0 மிலி கு 1 கிராம் 50% டபிள் Iட்டருக்கு ( SC) (லிட்ட(	லிட்டருக்கு பின் 25% ட. பிழி (WG) ( 0.5 மிலி) நக்கு 1.3 மி	5 4 கிராம்) பிள்யுஜி (w லிட்டருக்கு விலி)	/G) (லிட்டரு த 0.5 கிராம்		∴ப்ளுபென்	ாம்) அல்லது ஈடியாமைடு பகள்.	
12	அறுவடை				வேர்களே	டு தாவரத்	தை பிடுங்	கி வேர்கள	ளத் தனிய	பாகப் பிரித்	திடுங்கள்.						
13	எதிர்பார்க்கப்ப	டும் மகதல்			சாதகமான	நிலைகள	ில், சராசர்	ியாக 6-10	டன் வேர்	ரகளைப் டெ	றலாம் .						
14	சேமிப்பகம்																
15																	
16 குறிப்பு	செய்ய வேண்டி மேற்கண்ட தக கொள்ளுங்கள்.	யவை வல் ஒரு பொத	ுவான அறிவுறு	த்தல். குறிப்பிட்	ட பகுதிக்க	ான தனிப்	பட்ட பரிந்த	<b>நுரைகளுக்</b> (	த, உங்கள	து மாநிலத்	தில் இருக்	கும் உள்ளு	நர் விவசா	யத் துறை	யைத் தொட	_ <del>_</del>	
முன்னெச்ச ரிக்கை நடவடிக் கைகள்		னிகளால், பயிர் கள் மற்றும் பூச் ளுங்கள்.															





# ਮੂਲੀ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦੇ ਤਰੀਕੇ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆਂ ਮੂਲੀ ਦੇ ਬੀਜਾ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਬੀਜ ਚੁਣਿਆ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਮੂਲੀ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆਂ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਮੂਲੀ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚ ਉਗਣ ਦੀ ਉੱਚ ਸਮਰੱਥਾ, ਬੁਟਿਆਂ ਦਾ ਮਜ਼ਬੂਤ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਰੋਗ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਚੰਗੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਮੂਲੀ	ਹਿਮਾਨੀ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਹਿਮਾਨੀ' ਸ੍ਵਾਤਿ	ਪਾਲਕ ਪੜ੍ਤਾ	ਪੁਸਾ ਚੇਤਕੀ ਲਾਨ੍ਗ	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ. ਜੋਧਾ (ਪਾਲਕ ਪੜ੍ਤਾ)													
ਮਿਆਦ	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS													
ਖ਼ਰੀਫ ਰਬੀ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ													
ਸਪ੍ਰਿੰਗ	ਜਲਦੀ	ਜਲਦੀ	ਜਲਦੀ	ਜਲਦੀ													
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਜ਼ਮੀਨ	ਜ਼ਮੀਨ	ਜ਼ਮੀਨ	ਜ਼ਮੀਨ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ	ਰੇ ਕਿ ਕਾਰਥ	ਤਾ ਤਾਜਾ <b>ਅ</b> ਹ	) ufan iara	ਾ ਪੰਜਪ ਜੇ <b>ਪ</b>	ביי בייייו	ੰਮ ਵੱਖ ਤੇ ਬ	ननी नै।						
ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਅ	ਾਸ	1404	वचव ।यन्त्र-त ।टर			ਏਕੜ ਇਨ ਇਕੜ		4.4.0 2 £	:4-E4 0 A	46 01						
71101 410 to.	104 1014 110					10 11 1		<b>J</b> -									
1	ਖੇਤਰ ਲਈ ਅਨੁਕੂਲਤਾ। ਖੇਤੀਬਾਤੀ ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ					ਮੂਲੀਆਂ ਠੰਢੇ ਮੌਸਮ ਵਿੱਚ ਲਗਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਗਰਮੀਆਂ ਵਿੱਚ ਜਲਦੀ ਫੁੱਲ (ਬੀਜ ਬਣਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ) ਦੇ ਕਾਰਨ, ਜੜ੍ਹ ਸਹੀ ਢੰਗ ਨਾਲ ਵਿਕਸਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਇਹ ਠੰਢੇ ਮੌਸਮ ਵਿੱਚ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਧਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸਦੇ ਲਈ ਆਦਰਸ਼ ਤਾਪਮਾਨ 10-240 C ਹੈ।											
2	ਜ਼ਮੀਨ। ਮਿੱਟੀ					ਮੂਲੀ ਲਈ ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ ਰੇਤਲੀ ਦੇਮਟ ਅਤੇ ਜਲੋੜ ਵਾਲੀ ਮਿੱਟੀ ਚੁਕਵੀਂ ਹੈ ਅਤੇ pH 5.5-7.0 ਨੂੰ ਇਸਦੇ ਲਈ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਮੰਨਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।											
3	ਮੌਸਮ। ਬਿਜਾਈ/ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ					ਸਤੰਬਰ ਤੋਂ ਮਾਰਚ ਦਾ ਸਮਾਂ ਮੈਦਾਨੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿੱਚ ਮੂਲੀ ਦੀ ਬਿਜਾਈ ਲਈ ਵਾਜਬ ਹੈ।   ਠੰਢੇ ਮੌਸਮ ਵਾਲੇ ਪਹਾਤੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿੱਚ, ਮੂਲੀ ਸਾਲ ਭਰ ਉਗਾਈ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਦੱਖਣੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ, ਇਸਨੂੰ ਅਪ੍ਰੈਲ-ਜੂਨ ਅਤੇ ਅਕਤੂਬਰ-ਦਸੰਬਰ ਵਿੱਚ ਉਗਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।											
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ। ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ।					च चार्च काला १२७ १ <b>०० ५००</b> जुल, ल्लाल १२० <b>०.० १.७</b> १७० जन्म दुर २ ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५०											
4	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ					10 ਟਨ ਸਤੀ ਹੋਈ ਰੂਤੀ ਪਾਓ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਹਲ ਵਾਹੇ ਤਾਂ ਜੇ ਇਹ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਰਲ ਜਾਵੇ। ਨਾਲੀਆਂ ਵਿੱਚ ਬੈਸਲ ਖੁਰਾਕ ਵਜੋਂ ਖਾਦ ਪਾਓ ਅਤੇ ਚੱਕ ਦਿਓ। ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਦੋ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਖੇਤ ਨੂੰ ਸਿੰਜ ਦਿਓ। ਨਾਲੀਆਂ ਵਿੱਚ ਘੱਟ ਬੀਜ ਬੀਜਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਬੇਸਿਨ ਬਿਜਾਈ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ, ਜਲਦੀ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਪੁੰਗਰਨ ਲਈ ਹਲਕੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ।											
5	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ					ਕਤਾਰ ਤੋਂ ਕਤਾਰ 30 ਸੈ.ਮੀ; ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬੂਟੇ ਤੱਕ: 5-10 ਸੈ.ਮੀ.											
6	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ					ਬੀਜਾਂ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਕੈਪਟਨ 2 ਗ੍ਰਾਮ/ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਕਰੋ।											
7	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਹਸਾਇਣਕ ਖਾਦ					* ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੂਲ ਖੁਰਾਕ: 20:25:25 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ NPK * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 20-25 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਪਹਿਲੀ ਟਾਪ ਡਰੈਸਿੰਗ: 25 ਕਿਲੋਂ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ											
8	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ					ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। 5-6 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਇੱਕ ਵਾਰ ਹਲਕੀ ਅਤੇ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ।											
9	ਖੇਤ ਦੀ ਨਦੀਨ-ਨਾਸ਼ਕੀ/ ਰੁਕ-ਰੁਕ ਕੇ ਵਾਹੀ					ਦੇ ਵਾਰ ਹੱਥ ਨਾਲ ਘਾਹ ਕੱਢਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਨਦੀਨ ਨਾ ਉੱਗਣ ਦਿਓ। ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬੂਟੇ ਦੀ ਦੂਰੀ 8-10 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣ ਲਈ ਬੂਟਿਆਂ ਨੂੰ ਪਤਲਾ ਕਰੇ											
10	ਪੈਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ					ਜੇ ਸੂਖਮ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ ਦੀ ਘਾਟ ਦੇਖੀ ਜਾਵੇ, ਤਾਂ ਮਲਟੀਪਲੈਕਸ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ											
11	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੇਗ ਨਿਯੰਤਰੲ				ਲੀਫ ਸਪਾਟ: ਮੇਟਿਰਾਮ 70%WG (4 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਵਾਈਟ ਰਸਟ: ਮੇਟਿਰਾਮ 70%WG (4 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਡਾਊਨੀ ਫ਼ਫੂੰਦੀ: ਟੈਬੂਕੇਨਾਜ਼ੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਟਲੇਕਸੀਸਟ੍ਰੇਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਜਾਂ ਕਲੋਚੇਥੈਲੇਨਿਲ 75% WP 1.0 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਫਲੀ ਬੀਟਲ: ਕਲੋਰ-ਬਾਈਰੀਫੇਸ 1/ਲੀਟਰ ਬ੍ਰਿੰਸ੍ਮਾ/ਐਫਿਡਜ਼ੇ: ਫਲੇਨੀਕਾਮਿਡ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਜਾਂ ਫਲੂਬੈਂਡੀਅਮਾਈਡ 8.33% + ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 5.56% % w/w SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਕੀਟ: ਸਪਾਈਰੇਮੇਸੀਫੇਨ 22.90% SC (1.3 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲੳ।												
12	ਵਾਚੀ					ਬੂਟਿਆਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਜੜ੍ਹਾਂ ਸਮੇਤ ਪੁੱਟ ਦਿਓ ਅਤੇ ਜੜ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੱਖ ਕਰੇ।											
13	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ					ਜੇ ਸਾਚੀਆਂ ਸਥਿਤੀਆਂ ਅਨੁਕੂਲ ਹੋਣ, ਤਾਂ ਮੂਲੀ ਦਾ ਔਸਤ ਝਾੜ 6-10 ਟਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।											
14	ਸਟੋਰੇਜ																
15	ਕੀ ਨਾ ਕਰੇ	-															
16	वीवर्ते																
ਨੇਟ	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।																
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ		ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾਤ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾਤੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।															